

सी.आर.एस.यू. ने घोषित किया बी.एड. परीक्षा परिणाम

कम समय में परीक्षा परिणाम घोषित करना उत्कृष्ट कार्यप्रणाली है : कुलगुरु

जौंद, 22 जुलाई (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जौंद द्वारा बी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस वर्ष कुल 17,993 विद्यार्थियों ने बी.एड. प्रथम वर्ष की परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से लगभग 67 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए। वहीं, बी.एड. द्वितीय वर्ष में 16,218 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से लगभग 82 प्रतिशत ने सफलता प्राप्त की है।

यह परीक्षा विश्वविद्यालय से संबद्ध लगभग 127 शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। राज्य भर के लगभग 50 परीक्षा केंद्रों पर इन परीक्षाओं का संचालन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ।

विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि विश्वविद्यालय ने यह परिणाम प्रायोगिक परीक्षाओं के समापन के मात्र एक सप्ताह के भीतर घोषित कर दिया है, जो विश्वविद्यालय की दक्षता, पारदर्शिता एवं तकनीकी प्रणाली की सुदृढ़ता को प्रमाणित करता है। कुलगुरु प्रो. डॉक्टर रामपाल सैनी ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि



सी.आर.एस.यू., जिस द्वारा बी.एड. परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।

यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय की निष्कलंक परीक्षा प्रणाली का प्रतिफल है। उन्होंने मूल्यांकन कार्य में संलग्न सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की सराहना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में भी इस प्रकार की गुणवत्तापूर्ण एवं समयनिष्ठ शैक्षणिक परंपरा को बनाए



वी.सी. प्रो. डॉक्टर रामपाल सैनी।

रखेगा। कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन डॉ. राजेश कुमार बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूर्ण करते हुए यह सुनिश्चित किया कि विद्यार्थियों को उनका परिणाम समय पर प्राप्त हो सके। विद्यार्थी अपना परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

बीएड प्रथम वर्ष में 67% और द्वितीय में 82% परीक्षार्थी उत्तीर्ण

जौड़ | सीआरएस यूनिवर्सिटी ने बीएड प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस बार बीएड प्रथम वर्ष में 17,993 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से करीब 67 प्रतिशत पास हुए। बीएड द्वितीय वर्ष में 16,218 विद्यार्थियों ने इग्जाम दिया था, जिसमें से लगभग 82 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए हैं।

परीक्षा विश्वविद्यालय से संबद्ध आठ जिलों जौड़, पानीपत, सोनीपत, हिसार, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, दादरी व गुरुग्राम के 127 शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। राज्य के करीब 50 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से हुई। विश्वविद्यालय ने प्रायोगिक परीक्षाओं के खत्म होने के एक हफ्ते के भीतर ही परिणाम जारी कर दिए।

इस पर वाइस चांसलर प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय की दक्षता, पारदर्शिता और तकनीकी व्यवस्था की मजबूती को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली का नतीजा है। उन्होंने मूल्यांकन कार्य में लगे प्राध्यापकों, कर्मचारियों और परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की सराहना की। साथ ही भरोसा जताया कि विश्वविद्यालय आगे भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध शैक्षणिक परंपरा बनाए रखेगा।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश कुमार बंसल ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पारदर्शिता और समयबद्धता से किया गया। इससे विद्यार्थियों को समय पर परिणाम मिल सका।

सीआरएसयू...बीएड प्रथम वर्ष में 67 और द्वितीय में 82% छात्र हुए पास

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बीएड प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है।

इस वर्ष कुल 17993 विद्यार्थियों ने बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा में भाग लिया जिनमें से लगभग 67 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए। बीएड द्वितीय वर्ष में 16218 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जिनमें से 82 प्रतिशत ने सफलता प्राप्त की है।

यह परीक्षा विश्वविद्यालय से संबंधित लगभग 127 शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। राज्यभर के लगभग 50 परीक्षा केंद्रों पर इन परीक्षाओं का संचालन

विवि संबंधित 127 शिक्षण संस्थानों के छात्रों के लिए आयोजित हुई थी परीक्षा

शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। कुलपति प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय की निष्कलंक परीक्षा प्रणाली का प्रतिफल है।

कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन डॉ. राजेश कुमार बंसल ने बताया कि प्रशासन ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूर्ण करते हुए यह सुनिश्चित किया कि विद्यार्थियों को उनका परिणाम समय पर प्राप्त हो सके।

सीआरएसयू ने बीएड का परीक्षा परिणाम किया घोषित

परीक्षा के एक सप्ताह बाद परिणाम घोषित



चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय। • जागरण आर्काइव

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने बीएड प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष कुल 17,993 विद्यार्थियों ने बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा में भाग लिया। जिनमें से लगभग 67 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए। वहीं बीएड द्वितीय वर्ष में 16,218 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से लगभग 82 प्रतिशत ने सफलता प्राप्त की है।

ये परीक्षा विश्वविद्यालय से संबद्ध जींद, पानीपत, हिसार, फरीदाबाद सहित अन्य जिलों के लगभग 127 शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। राज्य भर के लगभग 50 परीक्षा केंद्रों पर इन परीक्षाओं का संचालन हुआ। विश्वविद्यालय ने यह परिणाम प्रायोगिक परीक्षाओं के समापन के मात्र एक सप्ताह के भीतर घोषित कर दिया है। वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय की निष्कलंक परीक्षा प्रणाली का प्रतिफल है।

उन्होंने मूल्यांकन कार्य में संलग्न सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में भी

- बीएड प्रथम वर्ष में 67 प्रतिशत और द्वितीय वर्ष में 82 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण
- सीआरएसयू से जींद सहित अन्य जिलों के 127 बीएड कालेज जुड़े

वेबसाइट पर देख सकते परिणाम

परीक्षा नियंत्रक डा. राजेश बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूर्ण करते हुए यह सुनिश्चित किया कि विद्यार्थियों को उनका परिणाम समय पर प्राप्त हो सके। विद्यार्थी अपना परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट सीआरएसयू डाट एसी डाट इन या सीआरएसयू आइयूएमएस डाट काम पर देख सकते हैं। परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

इस प्रकार की गुणवत्तापूर्ण एवं समयनिष्ठ शैक्षणिक परंपरा को बनाए रखेगा।